न्यायालय जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट,नागौर

पीठासीन अधिकारी–कुमार पाल गौतम, आई.ए.एस.

प्रार्थना पत्र प्रकरण संख्या– 80/2018

प्रार्थी	बनाम	अप्रार्थीगण
यूको बैंक एक राष्ट्रीयकृत बैंक है जिसका प्रधान कार्यालय 10 वि.त्रै.म. सरणी, (ब्रेबोर्न रोड) कोलकता में स्थित कार्यरत है जिसका एक शाखा कार्यालय– डांगावास, जिला नागौर (राजस्थान) में स्थित व कार्यरत है।		1. मैसर्स देव नारायण फिलिंग स्टेशन पता– मेडता गोटन सडक, ग्राम लाम्बा जाटान, तहसील मेडता जिला नागौर (राजस्थान) 2. जगदीश गर्जुर पुत्र करना राम पता– 31, गर्जुरो का बास, ग्राम लाम्बा जाटान तहसील मेडता जिला नागौर (राजस्थान) 3. करना राम पुत्र धोकल राम गर्जुर पता– गर्जुरो का बास, ग्राम लाम्बा जाटान तहसील मेडता जिला नागौर (राजस्थान)

आदेश दिनांकः 28-06-2018

प्रार्थी की ओर से यह प्रार्थनापत्र अन्तर्गत धारा 14 वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के तहत पेश हुआ। जो दर्ज रजिस्टर हो।

प्रार्थी ने प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों में यह कथन किया है कि प्रार्थी बैंक ने अप्रार्थी/ ऋणी को रूपये **12,00,000/–(बारह लाख रूपये मात्र) ऋण सुविधा दिनांक 18.11.2014** को ऋण उपलब्ध करवाया गया। अप्रार्थीगण/ऋणी द्वारा उक्त प्राप्त ऋण की सुविधा के एवज में सम्पति – **अनुसूची– 1 श्री जगदीश गर्जुर पुत्र श्री करना राम की व्यवसायिक सम्पति जो मेडता गोटन सडक, ग्राम लाम्बा जाटान, तहसील मेडता सिटी, जिला नागौर (राजस्थान) पर स्थित है। जिसका खसरा/सर्वे नं. 2732/2710, संपरिवर्तन आदेश नं–876, दिनांकित 03.07.2012 है। जिसमें भूमि व भवन आदि जो सम्पति के अभिन्न अंग है। जिसकी माप लगभग 498.87 वर्ग मीटर है। चतु सीमा उत्तर में– खसरा नं (सर्वे नं.)– 2708/153 का भाग, दक्षिण में–सडक, पूर्व में– खसरा नं. (सर्वे नं.) 2708/153 का भाग, पश्चिम में बिरमा राम जाट का फार्म। अनुसूची–2 श्री करना राम पुत्र श्री धोकल राम गर्जुर की व्यवसायिक सम्पति जो मेडता गोटन सडक, ग्राम लाम्बा जाटान, तहसील मेडता सिटी, जिला नागौर (राजस्थान) पर स्थित है। जिसका खसरा/ सर्वे नं. 2734/2708, संपरिवर्तन आदेश नं. 868, दिनांकित 03.07.2012 है। जिसमें भूमि व भवन आदि जो सम्पति के अभिन्न अंग है। जिसका माप लगभग 497.94 वर्ग मीटर है। चतु सीमा उत्तर में– खसरा नं. (सर्वे नं.) 2708/153 का भाग, दक्षिण में–सडक, पूर्व में– खसरा नं. (सर्वे नं.) 2708/153 का भाग, पश्चिम में– श्री जगदीश गर्जुर की भूमि जो खसरा नं. 2708/153 व 2710/153 का भाग है,** जो प्रार्थी बैंक के पास ऋण अदायगी हेतु ऋणी एंव जमानतदार ने आवश्यक दस्तावेज निष्पादित किये।

अप्रार्थीगण/ऋणी ने उपलब्ध ऋण का बैंक के नियमानुसार भुगतान नही चुकाया। जिसकी वजह से उक्त खाते को **दिनांक 31.1.2018 को एन.पी.ए.** घोषित कर दिया गया व अप्रार्थी/ऋणी के ऋण खाते में रूपये **12,27,415/–(अक्षरे बारह लाख सताईस हजार चार सौ पन्द्रह रूपये मात्र)**

दिनांक 31.01.2018 तक (जिसमें दिनांक 31.01.2018 तक का ब्याज शामिल है) व आगे का ब्याज बकाया राशि व खर्चे आदि सहित राशि का पूर्णभुगतान करने तक बकाया निकलते हैं।

उक्त ऋण खाते में ऋणी द्वारा नियमानुसार भुगतान नहीं करने पर एन.पी.ए. घोषित होने के बाद एक्ट की धारा 13 (2) के अन्तर्गत प्रार्थी बैक ने ऋणी/अप्रार्थी को दिनांक **23.02.2018** को रजिस्टर्ड नोटिस दिये गये परन्तु नोटिस प्राप्ति के पश्चात भी अप्रार्थीगण द्वारा ऋण राशि जमा नहीं करवायी गई व न बंधक शुदा सम्पति सम्पूर्ण कब्जा प्रार्थी बैक को दिया गया। ऋणी को उपरोक्त नोटिस के अनुसार 60 दिन के अन्दर–अन्दर ऋण राशि **रूपये 12,27,415/–(अक्षरे बारह लाख सताईस हजार चार सौ पन्द्रह रूपये मात्र) दिनांक 31.01.2018 तक (जिसमें दिनांक 31.01.2018 तक का ब्याज शामिल है) व आगे का ब्याज बकाया राशि व खर्चे आदि सहित राशि का पूर्णभुगतान करने** तक को जमा कराना था परन्तु ऋणी/अप्रार्थीगण ने उपरोक्त नोटिस के अनुसार ऋण राशि जमा नहीं करवाई, के कारण एक्ट की धारा 13 (4) के अन्तर्गत कार्यवाही करना आवश्यक हो गया है।

एक्ट की धारा 14 (1) के अन्तर्गत प्रार्थी बैक को बंधक सम्पति का ऋणी एवं जमानतिया से कब्जा लेने में सहायता आवश्यकता है, के कारण प्रार्थी बैक ने जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष बैक सिक्योरिटीज एवं सिक्योरिटीज से संबंधित डोक्यूमेन्ट का ऋणी/जमानती से कब्जा लेकर प्रार्थी बैक को कब्जा दिलवाने के लिये प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है।

बैक सिक्योरिटीज सम्पति का विवरण :– **अनुसूची– 1 श्री जगदीश गर्जुर पुत्र श्री करना राम की व्यवसायिक सम्पति जो मेडता गोटन सडक, ग्राम लाम्बा जाटान, तहसील मेडता सिटी, जिला नागौर (राजस्थान) पर स्थित है। जिसका खसरा/सर्वे नं. 2732/2710, संपरिवर्तन आदेश नं–876, दिनांकित 03.07.2012 है। जिसमें भूमि व भवन आदि जो सम्पति के अभिन्न अंग है। जिसकी माप लगभग 498.87 वर्ग मीटर है। चतु सीमा उत्तर में– खसरा नं (सर्वे नं.)– 2708/153 का भाग, दक्षिण में–सडक, पूर्व में– खसरा नं. (सर्वे नं.) 2708/153 का भाग, पश्चिम में बिरमा राम जाट का फार्म। अनुसूची–2 श्री करना राम पुत्र श्री धोकल राम गर्जुर की व्यवसायिक सम्पति जो मेडता गोटन सडक, ग्राम लाम्बा जाटान, तहसील मेडता सिटी, जिला नागौर (राजस्थान) पर स्थित है। जिसका खसरा/ सर्वे नं. 2734/2708, संपरिवर्तन आदेश नं. 868, दिनांकित 03.07.2012 है। जिसमें भूमि व भवन आदि जो सम्पति के अभिन्न अंग है। जिसका माप लगभग 497.94** वर्ग मीटर है। चतु सीमा **उत्तर में– खसरा नं. (सर्वे नं.) 2708/153 का भाग, दक्षिण में–सडक, पूर्व में–** खसरा नं. (सर्वे नं.) **2708/153 का भाग, पश्चिम में– श्री जगदीश गर्जुर की भूमि जो** खसरा नं. **2708/153** व **2710/153 का भाग है,** जो प्रार्थी बैक के पास हाईपोथीकेटेड है, का कब्जा लेना है।

अतः प्रार्थी का प्रार्थना पत्र को स्वीकार कर प्रार्थना पत्र में वर्णित सम्पत्ति का कब्जा संबंधित डौक्यूमेन्टस का कब्जा एक्ट की धारा 14 के अनुसार ऋणी/अप्रार्थीगण से प्रार्थी बैक को कब्जा दिलाने का आदेश जारी करने हेतु निवेदन किया है।

पत्रावली का अवलोकन किया गया। पत्रावली के अवलोकन से स्पष्ट है कि ऋणी/अप्रार्थीगण ने प्रार्थी बैक से **12,00,000/–(बारह लाख रूपये मात्र) ऋण सुविधा दिनांक 18.11.2014** को प्राप्त की थी। उक्त ऋण के बदले में इकरारनामा व उससे संबंधित दस्तावेज तैयार कर अपने हस्ताक्षर से प्रार्थी बैक के पक्ष में निष्पादित किये थे। प्रार्थी बैक द्वारा नियमानुसार ऋण वसूली के लिये आडिनेन्स की धारा 13 (2) के अन्तर्गत नोटिस जारी करना पाया जाता है।

वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 14 में उपरोक्तानुसार रहन की गयी सम्पत्ति को प्रार्थी के कब्जे में दिलाये जाने का स्पष्ट प्रावधान है। जो इस प्रकार है:– प्रतिभूति आस्थी का कब्जा लेने में प्रतिभूति लेनदार की सहायता करने के लिये मुख्य महानगरीय मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट जहां किसी प्रतिभूति आस्तियों का

कब्जा प्रतिभूत लेनदार द्वारा लिये जाने की आवश्यकता हो, या यदि किन्ही प्रतिभूत आस्तियों का विकय या अन्तरण प्रतिभूत लेनदार द्वारा इस अधिनियम के प्रावधानों के अन्तर्गत किये जाने की आवश्यकता हो, तो प्रतिभूत लेनदार किसी प्रतिभूत आस्ति के कब्जे या नियंत्रण को लेने के प्रयोजन के लिये, लिखित में मुख्य महानगरीय मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट को उनकी अधिकारिता के भीतर अनुरोध करेगा, ऐसी कोई प्रतिभूत आस्ति या उससे संबंधित अन्य दस्तावेज स्थित हो सकेगा या पाया जा सकेगा,उसका कब्जा लेने के लिये अनुरोध करेगा,और मुख्य महानगरीय मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट जो स्थित हो, उसको किये गये उस अनुरोध पर –(क)उस आस्ति और उससे संबंधित दस्तावेजों का कब्जा लेगा, और (ख) प्रतिभूत लेनदार को उन आस्तियों और दस्तावेजों को भेजेगा।

धारा 14 (2) उप धारा (1) के प्रावधानों के साथ अनुपालना को सुनिश्चित करने के प्रयोजन के लिये, मुख्य महानगरीय मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट उन कदमो को लेगा या लिवा सकेगा या ऐसा बल प्रयुक्त कर सकेगा जो उसकी राय मे आवश्यक हो सकेगा।

उपरोक्त प्रावधानो को दृष्टीगत रखते हुए इस संबंध मे पुलिस इमदाद उपलब्ध कराने हेतु आदेश पारित किया जाना हम उचित समझते हैं । अतः प्रार्थी का यह प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है। पुलिस अधीक्षक नागौर को निर्देश दिये जाते है कि अप्रार्थी/ऋणीद्वारा प्रार्थी बैंक के पक्ष मे बतौर प्रतिभूति अपने स्वामित्व मे **सम्पति – अनुसूची– 1 श्री जगदीश गर्जुर पुत्र श्री करना राम की व्यवसायिक सम्पति जो मेडता गोटन सडक, ग्राम लाम्बा जाटान, तहसील मेडता सिटी, जिला नागौर (राजस्थान) पर स्थित है। जिसका खसरा/सर्वे नं. 2732/2710, संपरिवर्तन आदेश नं–876, दिनांकित 03.07.2012 है। जिसमें भूमि व भवन आदि जो सम्पति के अभिन्न अंग है। जिसकी माप लगभग 498.87 वर्ग मीटर है। चतु सीमा उत्तर में– खसरा नं (सर्वे नं.)– 2708/153 का भाग, दक्षिण में–सडक, पूर्व में– खसरा नं. (सर्वे नं.) 2708/153 का भाग, पश्चिम में बिरमा राम जाट का फार्म। अनुसूची–2 श्री करना राम पुत्र श्री धोकल राम गर्जुर की व्यवसायिक सम्पति जो मेडता गोटन** सडक, ग्राम लाम्बा जाटान, तहसील मेडता सिटी, जिला नागौर (राजस्थान) पर स्थित है। जिसका खसरा/ सर्वे नं. 2734/2708, संपरिवर्तन आदेश नं. 868, दिनांकित 03.07.2012 है। जिसमें भूमि व **भवन आदि जो सम्पति के अभिन्न अंग है। जिसका माप लगभग 497.94 वर्ग मीटर है। चतु सीमा उत्तर में– खसरा नं. (सर्वे नं.) 2708/153 का भाग, दक्षिण में–सडक, पूर्व में– खसरा नं. (सर्वे नं.) 2708/153 का भाग, पश्चिम में– श्री जगदीश गर्जुर की भूमि जो खसरा नं. 2708/153 व 2710/153 का भाग है,** जो प्रार्थी बैक के पास हाईपोथीकेटेड है, को प्रार्थी बैक के हक मे बंधक किया था तथा बंधक विलेख निष्पादित किया था, के संबंध मे संबधित थानाधिकारी, पुलिस थाना को निर्देशित करे कि वे उक्त संपति का कब्जा व उससे संबंधित अन्य कोई दस्तावेज अप्रार्थी के कब्जे मे हो तो उन दस्तावेजो को प्रार्थी को संभलाने हेतु मौके पर जाकर विधि सम्मत कार्यवाही करें।

आदेश सुनाया गया।

(कुमार पाल गौतम)
जिला कलक्टर एंव मजिस्ट्रेट
नागौर